

राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 6 अंक 2

जुलाई-दिसम्बर 2004

1. प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह की दृष्टि में 'समाज, सत्ता और संस्कृति' -डॉ. एम.एल. वर्मा, रीडर समाजशास्त्र वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
2. संसदीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका - डॉ. राम बहादुर वर्मा, रीडर एवं अध्यक्ष राजनीतिशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी पी.जी. कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
3. महावीर स्वामी के अहिंसा दर्शन का सामाजिक उत्थान में योगदान - प्रोफेसर मंजुला जुगरान, आचार्या इतिहास विभाग, हे.ब.न.बहुगुणा विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
4. महिला सशक्तीकरण और पंचायतीराज व्यवस्था (जनजातीय क्षेत्रों के संदर्भ में) - डॉ. आर.एस. त्रिपाठी, सहायक प्राध्याक, शासकीय महाविद्यालय, जयसिंह नगर, शहडोल, (म.प्र.)
5. न्याय एवं वेदान्त के अनुसार तर्क का स्वरूप - डॉ.मृगेन्द्र कुमार सिंह, प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग, हे. न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
6. मध्य हिमालय की राजी जनजाति : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण - डॉ. इला साह, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, सोबन सिंह जीना परिसर कुमायूं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
7. भूमण्डलीकरण : समस्या या समाधान - अमित कुमार सिंह, प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान, आर.एस.एम. पी. जी. कालेज, धामपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
8. उच्च शिक्षित महिलायें : सामाजिक विधान एवं सशक्तीकरण - डॉ. आभा सक्सेना, रीडर समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी एवं डॉ. बृजेश पाण्डेय, प्रवक्ता समाजशास्त्र, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
9. समसामयिक सन्दर्भ में शिक्षा, मनुष्य और समाज - डॉ. गोपी रमण प्रसाद सिंह, रीडर समाजशास्त्र विभाग, कुंवर सिंह महाविद्यालय, दरभंगा (बिहार)
10. अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों में राजनीतिक सहभागिता - डॉ. एच.एन. सिंह, रीडर, समाजशास्त्र विभाग, धर्म समाज कालिज, अलीगढ़ (उ.प्र.)
11. भारतीय लोकतंत्र एवं साम्प्रदायिकता - डॉ. सीमा चौधरी, प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बागेश्वर एवं डॉ. नरेन्द्र सिंह, शोधार्थी, वर्द्धमान कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)
12. सामाजिक एवं वैयक्तिक उद्विकास तथा 'मैं' एवं 'सव' का उदय - सुश्री अर्चना पाल, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, राजेन्द्र प्रसाद पी.जी. कालेज, मीरगंज, बरेली (उ.प्र.)
13. युवाओं में मद्यपान की समस्या : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण - डॉ. मन्जू चौधरी, प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, आर.बी. डी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, बिजनौर (उ.प्र.)
14. दलित समाज की वर्तमान शैक्षिक स्थिति : वैश्वीकरण की चुनौतियां - सुश्री अंजू, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)
15. भारत में ग्रामीण विकास : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन - डॉ. किरन तिवारी, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, मनोहरा स्मृति महिला महाविद्यालय, उन्नाव (उ.प्र.)
16. मध्यम एवं निम्नवर्गीय स्त्रियों की पारिवारिक स्थिति - डॉ. मीनाक्षी व्यास, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, आर. एस.जी.यू. पी.जी. कालेज, पुखरायाँ एवं डॉ. किरन तिवारी, प्रवक्ता समाजशास्त्र विभाग, मनोहरा स्मृति महिला महाविद्यालय, उन्नाव (उ.प्र.)
17. नैनीताल नगर की कार्यशील महिलाओं का पारिवारिक जीवन - डॉ. सीमा साह, अतिथि प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)

18. पुस्तक समीक्षा : प्राचीन भारत में यक्ष पूजा-लेखक-डॉ. कमलेश दुबे - समीक्षक- डॉ. उदय प्रकाश अरोड़ा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली (उ.प्र.)
19. पुस्तक समीक्षा : मरुस्थलीय कृषक संरचना-लेखक-डॉ. हरदयाल भाटी - समीक्षक-डॉ. ए.एल. श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
20. पुस्तक समीक्षा : बाल श्रमिकों की स्वास्थ्य समस्याएँ-लेखक-डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी - समीक्षक-डॉ. एच.एन. सिंह, रीडर, समाजशास्त्र विभाग, धर्मसमाज कालिज अलीगढ़ (उ.प्र.)